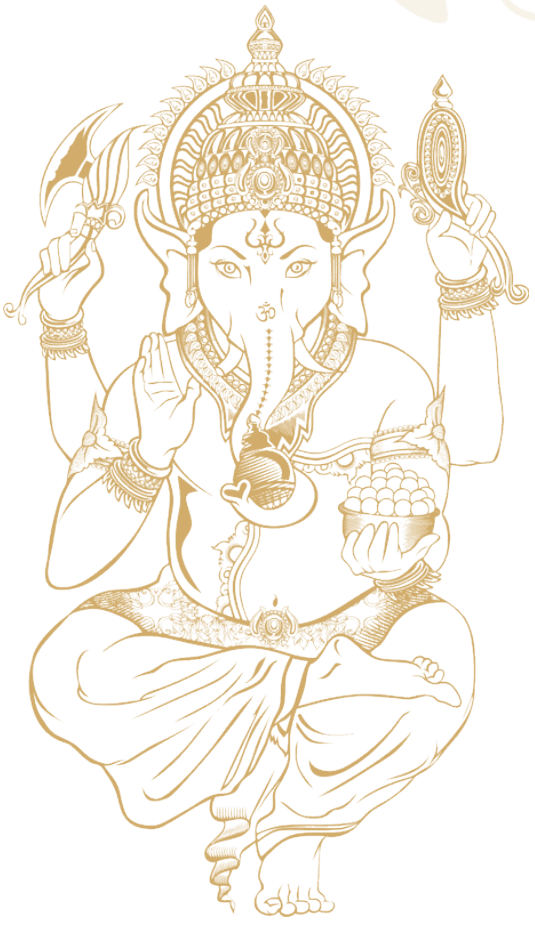

Mr. Chandar Parkash

Nirma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119114004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/10/2001	जन्म तिथि	08/05/2006
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 39:43:17	जन्म समय(घटी)	08:18:44 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jodhpur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:36:41	सूर्योदय	05:55:30
18:09:35	सूर्यास्त	19:12:51
23:52:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:43

विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 6मा 5दि

राहु	
21/04/2016	
21/04/2034	
राहु	02/01/2019
गुरु	28/05/2021
शनि	03/04/2024
बुध	21/10/2026
केतु	08/11/2027
शुक्र	08/11/2030
सूर्य	03/10/2031
चन्द्र	03/04/2033
मंगल	21/04/2034

	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
	10:29:05	मिथु	लग्न	मिथु	12:55:51
	28:31:37	कन्या	सूर्य	मेष	23:29:04
	13:18:51	कन्या	चंद्र	सिंह	25:27:16
	28:03:34	धनु	मंगल	मिथु	20:09:07
	24:58:36	कन्या व	बुध	मेष	11:25:50
	21:17:22	मिथु	गुरु व	तुला	19:35:50
	06:23:48	कन्या	शुक्र	मीन	11:24:35
	20:46:33	वृष व	शनि	कर्क	11:22:25
	05:44:40	मिथु व	राहु	मीन	09:40:46
	05:44:40	धनु व	केतु	कन्या	09:40:46
	27:07:44	मक व	हर्ष	कुंभ	20:04:45
	12:07:01	मक व	नेप	मक	25:48:54
	19:24:43	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	02:24:57

विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 9मा 24दि

मंगल	
02/03/2024	
03/03/2031	
मंगल	29/07/2024
राहु	17/08/2025
गुरु	24/07/2026
शनि	01/09/2027
बुध	29/08/2028
केतु	25/01/2029
शुक्र	27/03/2030
सूर्य	02/08/2030
चन्द्र	03/03/2031

लग्न-चलित

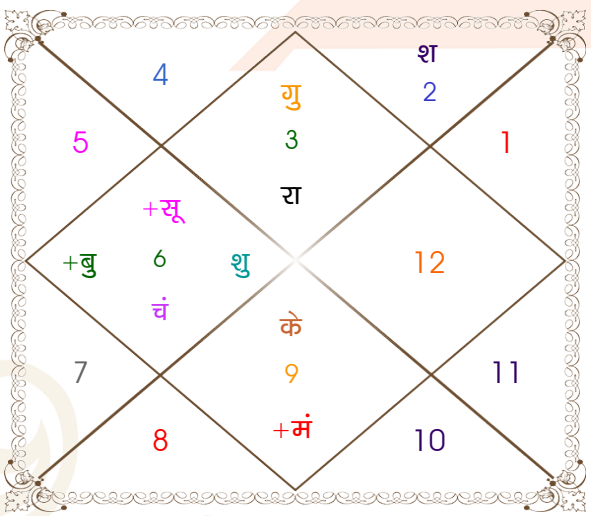

लग्न-चलित

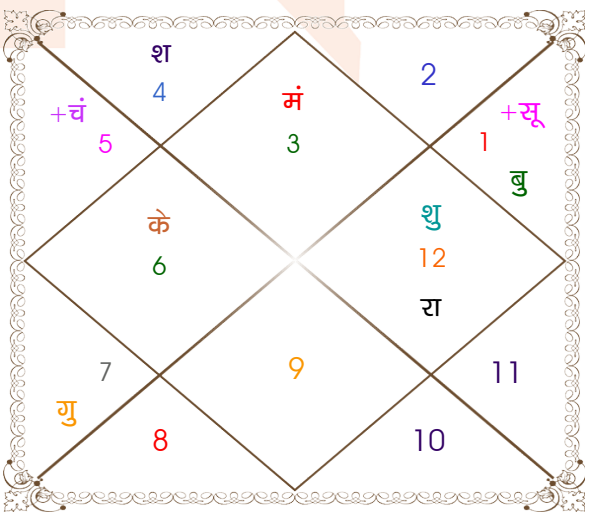

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण बैंदकंत च्तोी का वर्ग मूषक है तथा छपतउं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण बैंदकंत च्तोी और छपतउं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण बैंदकंत च्तोी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतण बैंदकंत च्तोी कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण बैंदकंत च्तोी कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक

दोष कट जाता है।

डतण बैंदकंत च्तौी तथा छपतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।